डॉ. अनया थत्ते

गुरू–

पं. केशवराव राजहंस (नागपुर), पं. यशवंत महाले, पं. विद्याधर व्यास (मुंबई), श्रीमती पौरवी देसाई

शिक्षा–

M.A., LL.B., NET, Sangeet Alankar, Ph.D., DDM (Jyotish), आकाशवाणी की मान्यता प्राप्त कलाकार

अनुभव–

22 वर्ष, वर्तमान में मुंबई विश्वविद्यालय में संगीत अध्यापिका के रूप में कार्यरत

पुरस्कार तथा अध्येतावृत्ति–

- गानहिरा पुरस्कार 2001
- UGC कनिष्ठ संशोधन अध्येतावृत्ति 2002
- अॅमस्टरडॅम विश्वविद्यालय पुरस्कृत डॉ. प्रेमलता शर्मा Promising Indian Musicologist Award 2007
- Sahapedia-UNESCO Fellowship 2018
- UGC-IUC Associateship at IIAS (2015-18, 2022-25)

डॉ. विजल पटेल

शिक्षा–

M.A., NET, Ph.D., आकाशवाणी की मान्यता प्राप्त कलाकार

गुरू–

पं. भीखूभाई भावसार, श्रीमती पौरवी देसाई, श्री श्रीपती हेगडे

- अॅंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर विविध संगोष्ठियों में शोधपत्रों का प्रस्तुतीकरण एवं शोध पत्रिकाओं और पुस्तकों में शोधपत्रों का प्रकाशन

अनुभव–

20 साल से अधिक वर्ष संगीत अध्यापन कार्य

- वर्तमान में S.N.D.T. College of Art and SCB College of Commerce and Science for Women, Churchgate में सहायक प्राध्यापिका के रुप में कार्यरत हैं
- सुगम संगीत के क्षेत्र में संगीतकार के रुप में कार्यरत है। गुजराती, हिन्दी इत्यादि भाषाओं में 60 से भी अधिक गीतों को आपने स्वरबद्ध किया है।

संगीत विविधा

डॉ. अनया थत्ते
डॉ. विजल पटेल

कनिष्क पब्लिशिंग हाउस
4695/5-21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली-110002
फोन: 23270497, 23288285
E-mail: kanishkabooks@gmail.com
kanishka_publishing@yahoo.co.in

₹ 500

ISBN 978-93-93322-19-7

संगीत विविधा

संगीत विषयक निबन्धों का संग्रह

डॉ. अनया थत्ते
डॉ. विजल पटेल

प्रस्तुत पुस्तक में विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में निहित संगीत विषयक विविध निबंधों का लेखन किया गया है। विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए संगीत विषयक निबंध हर शैक्षणिक वर्ष के अभ्यासक्रम में अनिवार्य होते है। इन निबंधों के विषयों में संगीत के मूलभूत तत्वों से लेकर आधुनिक युग के अंतर अनुशासनात्मक दृष्टिकोण तक, प्रस्तुति से तकनीक तक, कला से शास्त्र तक विविधता पायी जाती है। बदलती विचारधारा के अनुसार संगीत से संबंधित कई साधारण कल्पनाओं को भी नए परिप्रेक्ष्य में देखने की आवश्यकता निर्माण हो रही है। परंपरा के साथ नवीन विचारों को जोड़ कर इन विषयों पर विचार करना आवश्यक है। इसी हेतु प्रस्तुत निबंध संग्रह में संगीत के विविध आयामों को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना
दो शब्द
- समाज और संगीत
- कंठ साधना शास्त्र
- स्वरलिपि पद्धति का विकास तथा उपयोग
- भारतीय संगीत में तानपुरा
- संगीत शिक्षा की वर्तमान पद्धतियाँ
- संगीत तथा अन्य ललित कलाएँ
- हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में वाद्य वर्गीकरण
- संस्कृति संवर्धन में संगीत का योगदान
- मंच प्रदर्शन के तत्व
- राष्ट्रीय एकात्मता में संगीत की भूमिका
- बाल विकास में संगीत की भूमिका
- ध्वनि शास्त्र की दृष्टि से सभागृह की रचना एवम् व्यवस्था
- रागमिश्रण के तत्व
- संगीत चिकित्सा
- संगीत में ताल का महत्व
- संगीत के व्यावसायिक उद्देश्य
- संगीत और मानसिक स्वास्थ्य
- फ्यूजन और रीमिक्स
- संगीत समीक्षा की आधुनिक प्रवृत्तियाँ
- सुगम संगीत में बदलते प्रवाह
- संगीत और विज्ञापन
- शास्त्रीय संगीत का फिल्म संगीत में योगदान
- संगीत में ध्वनि मुद्रण का महत्व
- भारतीय संगीत शास्त्र
- संगीत का अंतर&अनुशासनात्मक संबंध

सन्दर्भ ग्रन्थ-सूची